एग्रोमेट आब्झरवर्स कोर्स

यह पाठ्यक्रम विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि निदेशालयों, राज्य सरकार, कृषि अनुसंधान संस्थाओं के लिए है । पाठ्यक्रम की अवधि तीन सप्ताह है जिसके लिए न्यूनतम अर्हता एस.एस.सी. है । सामान्यत: वर्ष में चार बैचो का आयोजन किया जाता है । पाठ्यक्रम में मौसम विज्ञान उपकरणों, उनकी स्थापना, रख-रखाव, आंकडों की रिकार्डिंग और उनका सारणीकरण संबंधी विस्तृत जानकारी सम्मिलित है । अब तक 114 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षित किया गया है ।

एग्रोमेट आब्झरवर्स कोर्स के लिए विषय

(अवधि : 3 सप्ताह)

क्र.सं.	विषयों के नाम
1.	वेधशाला प्लाट की रुप रेखा
2.	स्थल चयन के मानदण्ड
3.	तापमापी स्क्रीन (सिंगल और डबल)
4.	सेल्सियस से फैरनहाइट, वाष्पन दाब और नमी का परिकलन
5.	तापमापी - अधिकतम, न्यूनतम, शुष्क बल्ब और नम बल्ब तापमापी
6.	न्यूनतम तापमानी
7.	दूब न्यूनतम तापमापी
8.	न्यूनतम तापमापी में त्रुटियां
9.	धूप रिकार्डर
10.	वर्षा मापी
11.	स्वत: अभिलेखी वर्षा मापी
12.	मृदा आर्द्रता प्रेक्षण
13.	वाष्पनमापी
14.	लाइसीमीटर (भारात्मक और आयतन)
15.	आसमन साइक्रोमीटर

16.	वातावर्त साइक्रोमीटर
17.	तापलेखी
18.	बाल आर्द्रतालेखी
19.	पवन मापी
20.	सूक्ष्म जलवायवी प्रेक्षण
21.	5, 10, 20 सें.मी. गहराई वाले मृदा तापमापी
22.	जेबी रजिस्टर, सी.डब्ल्यु.एस. प्रपत्र इत्यादि
23.	ओस मापी प्रपत्र
24.	पवन दिक्सूचक
25.	एल एम टी से आई एस टी में परिवर्तन
26.	भारत में मौसम विज्ञान प्राचलों का वितरण